टोंक जिला – आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति

टोंक जिला राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर जयपुर से 100 कि0मी0 की दूरी पर स्थिति है। जिला टोंक राज्य के उत्तर पूर्व इलाके में 75.19 तथा 76.16 पूर्व देशान्तर तथा $25^{o}41'$ से $26^{o}34'$ उत्तर अंक्षाश पर स्थिति है। जिले का कुल क्षैत्र 7194 वर्ग किलोमीटर है। टोंक जिला अपनी बाहरी सीमा पर 5 जिलों से घिरा हुआ हैं उत्तर में जयपुर, दक्षिण में बूंदी व भीलवाडा, पश्चिम में अजमेर तथा पूर्व में सवाईमाधोपुर है।

टोंक जिले का इतिहास बहुत पुराना हैं तथा बैराठ सभ्यता से जुड़ा हुआ है। टोंक को राजस्थान का लखनउ भी कहा जाता है। इसलिए टोंक को नवाबों की नगरी भी कहा जाता है। टोंक जिला अपने आप में हिन्दु मुस्लिम एकता का प्रतीक रहा है। टोंक जिला कुल 7 तहसीलों 1032 गांवों तथा 7 मुख्य कस्बों में बटा हुआ है।

जिले में भूमि उपयोग की दृष्टि से औसत भू स्वामित्व 3.06 हैक्टयर है। फसल सघनता 124.82, जगंलात 3.4 प्रतिशत तथा सिंचित भूमि 27.4 प्रतिशत है। कुल कृषि योग्य भूमि 528696 हैक्टयर, सिंचित भूमि 233457 हैक्टयर, असिचित भूमि 295239 हैक्टयर है।

टोंक जिला एक दृष्टि में

- कुल क्षैत्रफल(हैक्टयर में) : 717958
- उपखण्ड : 7
- तहसील : 7
- गांव (आबाद) : 1032
- कस्बे : 7
- नगरपरिषद / नगरपालिका : 6
- कुल जनसंख्या : 1211671
- ग्रामीण जनसंख्या : 958503
- शहरी जनसंख्या : 253168
- जनसंख्या वृद्धि दर (1991–01) : 24.27%
- जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किमी) : 168
- अनुसूचित जाति का प्रतिशत : 19.2%
- अनुसूचित जन जाति का प्रतिशत : 12.0%
- मतृ मृत्यु दर : 6.7 प्रति हजार जीवित जन्म
- शिशु मृत्यु दर : 67 प्रति हजार जीवित जन्म
- विद्युत उपलब्धता : 27.1%
- जल उपलब्धता : 58.5%
- शौचालाय उपलब्धता : 12.7%
- मुख्य कार्यशील जनसंख्या : 425530
- सीमान्त कार्यशील जनसंख्या : 107452
- अकार्यशील जनसंख्या : 678989
- कुल कार्यशील जनसंख्या (मुख्य +सीमान्त) : 532682
- (अ). कुल किसान / कृषक : 309213
- (ब). कृषि श्रमिक : 56761
- (स).घरेलू / उधोग श्रमिक : 19584
- (द).अन्य श्रमिक : 147124